

प्रेषक,

बी०आर० टम्टा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण विभाग,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-३

देहरादून

दिनांक २५ मार्च, २०१२

विषय: वित्तीय वर्ष २०१०-२०११ एवं २०११-१२ हेतु अरबी फारसी मदरसा आधुनिकीकरण योजनान्तर्गत हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, मानव संसाधन कल्याण मंत्रालय के पत्रांक-F.8-29/2011-EE.19 दिनांक 28 फरवरी, 2012 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा एस०पी०क्य०८०८० योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष २०१०-११ एवं २०११-१२ हेतु क्रमशः ₹ 11.49 लाख एवं ₹ 23.13 लाख, कुल ₹ 34.62 लाख (₹ चौंतिस लाख बासठ हजार मात्र) की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त विषय के आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि ₹ 90.00 लाख में से उक्त प्रस्तर-१ के क्रम में एस०पी०क्य०८०८० योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष २०१०-११ एवं २०११-१२ हेतु क्रमशः ₹ 11.49 लाख एवं ₹ 23.13 लाख, कुल ₹ 34.62 लाख की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए। स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय योजनान्तर्गत भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, अन्य संगत नियमों के आलोक में नियमानुसार ही किया जायेगा।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।)

4. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।
6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक 2250-अन्य सामाजिक रोवायें, 800-अन्य व्यय, 05-अरबी फारसी मदरसों का आधुनिकीकरण (100%कोस0) के मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या:-453(P)/XXVII(3)/2011-12, दिनांक 29 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(बी0आर0 टम्टा)
अपर सचिव।

पुष्टांकन संख्या:-२७१(1)/XVII-3/2011-07(37)/08 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढवाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. विष्ट कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. अवर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को उनके पत्र दिनांक 28 फरवरी, 2012 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
9. उपरजिस्ट्रार, उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
11. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।

आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(एस0एस0 वल्डया)
उप सचिव।